विभिन्न क्षेत्रीय नीतियाँ – सामाजिक सुरक्षा, आवास, युवा, जनसंख्या एवं परिवार कल्याण नीतियों को विस्तारपूर्वक समझाइए।

परिचय

क्षेत्रीय नीतियाँ (Sectoral Policies) वे नीतियाँ हैं जो समाज के किसी विशिष्ट क्षेत्र के विकास के लिए बनाई जाती हैं। इनका उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं को पूरा करना, सामाजिक न्याय स्थापित करना तथा जीवन स्तर में सुधार लाना है। भारत में सामाजिक सुरक्षा, आवास, युवा, जनसंख्या एवं परिवार कल्याण से संबंधित नीतियाँ नागरिकों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

1. सामाजिक सुरक्षा नीति (Social Security Policy)

अर्थ

सामाजिक सुरक्षा नीति का उद्देश्य नागरिकों को बीमारी, बेरोजगारी, वृद्धावस्था, दिव्यांगता, दुर्घटना तथा अन्य सामाजिक एवं आर्थिक जोखिमों से सुरक्षा प्रदान करना है।

उद्देश्य

आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना।

गरीब एवं कमजोर वर्गों का संरक्षण।

सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना।

सामाजिक न्याय एवं समानता को बढ़ावा देना।

प्रमुख कार्यक्रम

वृद्धावस्था पेंशन।

विधवा पेंशन।

दिव्यांग पेंशन।

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP)।

खाद्य सुरक्षा योजनाएँ।

स्वास्थ्य बीमा योजनाएँ।

महत्व

गरीबी में कमी।

सामाजिक सुरक्षा की भावना।

कमजोर वर्गों का सशक्तिकरण।

जीवन स्तर में सुधार।

2. आवास नीति (Housing Policy)

अर्थ

आवास नीति का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, स्वच्छ एवं किफायती आवास उपलब्ध कराना है।

उद्देश्य

सभी के लिए आवास।

झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्विकास।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आवास सुविधा।

स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवन वातावरण।

प्रमुख कार्यक्रम

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी)।

किफायती आवास योजनाएँ।

झुग्गी पुनर्वास कार्यक्रम।

ग्रामीण आवास विकास योजनाएँ।

महत्व

जीवन स्तर में सुधार।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में वृद्धि।

सामाजिक सुरक्षा एवं सम्मान।

गरीबी उन्मूलन में सहायता।

3. युवा नीति (Youth Policy)

अर्थ

युवा नीति का उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व, कौशल, रोजगार, नेतृत्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देना है।

उद्देश्य

कौशल विकास।

रोजगार के अवसर बढ़ाना।

खेल एवं नेतृत्व विकास।

सामाजिक एवं राष्ट्रीय भागीदारी।

प्रमुख कार्यक्रम

कौशल विकास मिशन।

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)।

नेहरू युवा केंद्र संगठन (NYKS)।

खेलो इंडिया कार्यक्रम।

स्वरोजगार योजनाएँ।

महत्व

युवा सशक्तिकरण।

रोजगार में वृद्धि।

नेतृत्व क्षमता का विकास।

राष्ट्र निर्माण में योगदान।

4. जनसंख्या नीति (Population Policy)

अर्थ

जनसंख्या नीति वह नीति है जिसके माध्यम से जनसंख्या वृद्धि को संतुलित करना तथा जनसंख्या की गुणवत्ता में सुधार करना लक्ष्य होता है।

उद्देश्य

जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार।

परिवार नियोजन को बढ़ावा।

जनसंख्या एवं संसाधनों में संतुलन।

प्रमुख कार्यक्रम

परिवार नियोजन सेवाएँ।

जनसंख्या शिक्षा।

सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम।

टीकाकरण एवं पोषण कार्यक्रम।

महत्व

संसाधनों का संतुलित उपयोग।

गरीबी में कमी।

स्वास्थ्य एवं शिक्षा में सुधार।

सतत विकास को बढ़ावा।

5. परिवार कल्याण नीति (Family Welfare Policy)

अर्थ

परिवार कल्याण नीति का उद्देश्य परिवार के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

उद्देश्य

स्वस्थ एवं छोटा परिवार।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य।

परिवार नियोजन।

पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार।

प्रमुख कार्यक्रम

परिवार नियोजन कार्यक्रम।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएँ।

आंगनवाड़ी सेवाएँ।

पोषण अभियान।

जननी सुरक्षा योजनाएँ।

महत्व

स्वस्थ परिवार का निर्माण।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी।

कुपोषण में कमी।

जीवन स्तर में सुधार।

इन नीतियों का संयुक्त महत्व

1. सामाजिक न्याय एवं समानता को बढ़ावा मिलता है।

2. मानव संसाधनों का विकास होता है।

3. गरीबी एवं बेरोजगारी में कमी आती है।

4. स्वास्थ्य एवं शिक्षा का स्तर सुधरता है।

5. समावेशी एवं सतत विकास को प्रोत्साहन मिलता है।

6. संविधान के कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को साकार करने में सहायता मिलती है।

निष्कर्ष

सामाजिक सुरक्षा, आवास, युवा, जनसंख्या एवं परिवार कल्याण नीतियाँ भारत की सामाजिक नीति के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इनका उद्देश्य नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार करना, सामाजिक न्याय स्थापित करना तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। इन नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन एक स्वस्थ, शिक्षित, सुरक्षित एवं समृद्ध भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

संदर्भ ग्रंथ (References)

1. Friedlander, Walter A. (1977). Concepts and Methods of Social Work. Prentice Hall of India.

2. Titmuss, Richard M. (1974). Social Policy: An Introduction. George Allen & Unwin.

3. Kulkarni, P. D. (1979). Social Policy and Social Development in India. Association of Schools of Social Work in India.

4. Dubey, S. N. (2015). Social Work: An Integrated Approach. New Royal Book Company.

5. गोयल, एस. एल. एवं गोयल, राकेश. (2018). सामाजिक कल्याण एवं सामाजिक नीति. आर.बी.एस.ए. पब्लिशर्स, जयपुर।

6. सिंह, आर. बी. एस. (2016). समाज कार्य एवं सामाजिक नीति. रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।